

इन्वेस्ट यूपी ने उत्तर प्रदेश में जीसीसी सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देने के लिए कॉन्क्लेव का किया आयोजन

लखनऊ, 10 जून 2025: राज्य की प्रमुख निवेश प्रोत्साहन एजेंसी **इन्वेस्ट यूपी** ने **वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति 2024** के प्रचार प्रसार और निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से लखनऊ के ताज होटल में एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कई बड़ी तकनीकी कंपनियों के नेतृत्व, वैश्विक निवेशक, नीति निर्माताओं और बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने उत्तर प्रदेश को जीसीसी के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने पर मंथन किया।

कॉन्क्लेव का उद्घाटन करते हुए मुख्य सचिव **श्री मनोज कुमार सिंह** ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और उत्तर प्रदेश के तेज़ी से हो रहे आर्थिक परिवर्तन को एक अग्रणी निवेश गंतव्य के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने एक मजबूत औद्योगिक इकोसिस्टम बनाने के लिए राज्य की निवेश-अनुकूल नीतियों, आधुनिक अवस्थापना सुविधाओं और कुशल नीति क्रियान्वयन को श्रेय दिया। जहां एक ओर नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्रमुख वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) हब के रूप में उभर रहे हैं, वहीं राज्य के द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहर भी तेज़ी से विकास की ओर अग्रसर हैं। इसी प्रकार व्यापक लैंड बैंक विकसित कर बुंदेलखंड के झांसी को भविष्य के औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश वाणिज्यिक कार्यालयों और औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए शीर्ष पसंदीदा राज्यों में शामिल हो गया है, जिसका कारण प्रतिस्पर्धी प्रोत्साहन और सहयोगी कारोबारी माहौल है। बुंदेलखंड में नोएडा जैसी एक नई सिटी बनाने की योजना भी चल रही है, जिससे विकास का विकेंद्रीकरण होगा और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

इन्वेस्ट यूपी के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने सभी हितधारकों से लगातार नीति सुधार के लिए सुझाव देने का आग्रह किया। राज्य की प्रगति पर उन्होंने कहा कि, "दिल्ली से दावोस" तक मैंने यूपी के परिवर्तन के बारे में लोगों से अच्छे और उत्साहवर्धक शब्द ही सुन रहे हैं। पिछले 8 वर्षों में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल मार्गदर्शन में अवस्थापना, उद्योग और नीति में जो बदलाव आया है, वह वाकई सराहनीय है। जिसके परिणामस्वरूप अब कारोबार तेज़ी से नए शहरी केंद्रों की ओर बढ़ रहे हैं। दुनिया की बहुत कम अर्थव्यवस्थाओं ने इतने कम समय में अपने आकार को दोगुना किया है, लेकिन यूपी ने यह करके दिखाया है। अगर हम कृषि क्षेत्र को और मजबूत करें, तो राज्य की जीडीपी को कई गुना और बढ़ा सकते हैं साथ ही समावेशी और सतत विकास सुनिश्चित कर सकते हैं।"

सम्मेलन के दौरान चर्चा चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित रही: रियल एस्टेट और वाणिज्यिक स्थान, जिसमें क्रेडई (CREDAI) और आगामी बिल्डिंग बाई-लॉज़ शामिल हैं; गुणवत्तापूर्ण कॉलेजों और तकनीकी संस्थानों द्वारा समर्थित कुशल व प्रतिभावन कार्यबल की उपलब्धता; संपूर्ण कारोबारी पारिस्थितिकी तंत्र; और बुनियादी ढांचे में सुधार।

करीब 20 कंपनियों ने इस आयोजन में भाग लिया, जिनमें SRK गेमचेंजर्स, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, Sw-India, Takyon Networks Pvt Ltd, TCS, Trident, Usinfoundation, Velocis Systems Pvt Ltd, Deloitte, US India, HCL, Microsoft, Amhek, SETI, Venture Lift, Ivani, Hi-Tech Medics, EV Booth, Positroi, KNP, Biozenta, JBJM ग्रुप और Genrobotics शामिल हैं। उनकी उपस्थिति ने राज्य

में व्यवसाय और नवाचार के भविष्य को आकार देने में सहयोगात्मक प्रयासों को उजागर किया, जिससे उत्तर प्रदेश एक उभरते वैश्विक क्षमता केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है।

कई कंपनियों ने आगामी समय में उत्तर प्रदेश में जीसीसी में निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई। भविष्य में इसी प्रकार के जीसीसी सम्मेलनों के लिए एक रोडमैप और कार्ययोजना के संबंध में सूचित किया गया कि बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद में इसी प्रकार के आयोजन प्रस्तावित हैं। इसके अलावा, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप के अंतरराष्ट्रीय विचार-मंचों को निवेश आकर्षित करने के लिए वैश्विक शहरों में रोडशो के लिए शामिल किया जाएगा।

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के स्ट्रैटिजी व ऑपरेशन्स लीड, श्री वरुण रामनन ने हैदराबाद से नोएडा तक कंपनी के विस्तार पर प्रकाश डाला और स्वीकृत्यों, भूमि आवंटन और सब्सिडी में उत्तर प्रदेश सरकार के निर्बाध समर्थन की प्रशंसा की।

नैसकॉम (NASCOMM) के उत्तर भारत के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अमित वर्मा ने उत्तर प्रदेश के विकसित होते जीसीसी इकोसिस्टम के बारे में जानकारी दी और राज्य की नीतियों तथा लोगों की प्रतिभा विकास के प्रयासों की सराहना की।

प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग, श्री आलोक कुमार ने कहा- "विकसित भारत" की परिकल्पना "विकसित राज्य" के बिना संभव नहीं है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क, आसान कारोबारी माहौल और कुशल कार्यबल का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर में होने वाले निवेश को हर संभव सहयोग और समर्थन प्रदान करेगी।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव, श्री अनुराग यादव ने उत्तर प्रदेश की प्रगतिशील नीतियों और बढ़ते डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रकाश डाला, साथ ही आईटी/आईटीईएस और बीपीएम में निवेश के व्यापक अवसरों को रेखांकित किया।

एमएक्यू सॉफ्टवेयर के संस्थापक, श्री राजीव अग्रवाल ने यूपी के तकनीकी-आधारित बिजनेस हब के रूप में प्रतिस्पर्धी लाभ पर अपने विचार साझा किए।

आवास विभाग के प्रमुख सचिव, श्री पी. गुरुप्रसाद ने इस बात पर जोर दिया कि एक सफल जीसीसी इकोसिस्टम के लिए सुदृढ़ अवस्थापना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की आगामी भवन उपविधि में अनेक उदार प्राविधानों को प्रस्तावित किया गया है, जिससे इस सेक्टर को लाभ होगा।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, श्री प्रथमेश कुमार ने निवेशकों को लखनऊ में आने के लिए आमंत्रित किया और यहां बढ़ते कमर्शियल स्पेस और आईटी सिटी के विस्तार पर प्रकाश डाला।

टीसीएस लखनऊ के प्रिंसिपल कंसल्टेंट और सेंटर हेड, श्री अमिताभ तिवारी ने संचालन को सुविधाजनक बनाने में राज्य के सहयोग की सराहना की और यूपी के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर, कुशल प्रतिभा और बेहतर होते शहरी इकोसिस्टम की प्रशंसा की।

ट्राइडेंट ग्रुप के बोर्ड मेंबर, श्री निर्मलजीत सिंह कालसी ने कहा कि उनकी कंपनी नोएडा में एक जीसीसी स्थापित करने की योजना बना रही है, जो उद्योगों और आईटी/आईटीईएस सेक्टर के लिए सभी

जरूरी सुविधाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर मुहैया कराकर उत्तर प्रदेश की सबसे पसंदीदा जगह बनने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

जीसीसी कॉन्क्लेव के दौरान पैनल चर्चाओं और निवेशकों के साथ संवाद का आयोजन किया गया। इससे ये बात और पक्की हो गई कि उत्तर प्रदेश जीसीसी में इनोवेशन, बिजनेस एक्सीलेंस और वैश्विक इन्वेस्टमेंट के लिए पूरी तरह से तैयार है।

इस कार्यक्रम में अनेक वरिष्ठ अधिकारियों एवं औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिनमें अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव, श्री आलोक कुमार, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के स्ट्रैटिजी व ऑपरेशन्स लीड-श्री वरुण रमनन, टीसीएस लखनऊ के प्रिंसिपल कंसल्टेंट और सेंटर हेड-श्री अमिताभ तिवारी, नासकॉम नॉर्थ इंडिया के रीजनल हेड-श्री अमित वर्मा, यूपीडेस्को की प्रबंध निदेशक-सुश्री नेहा जैन, आवास विभाग के प्रमुख सचिव-श्री पी. गुरुप्रसाद, इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी- श्री शशांक चौधरी, लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष-श्री प्रथमेश कुमार, एसोचैम, क्रेडाई, एचसीएल के प्रतिनिधि और इन्वेस्ट यूपी के अधिकारी शामिल थे।

संगोष्ठी में जीसीसी के बढ़ते हुए महत्व पर बल दिया गया और उत्तर प्रदेश की ग्लोबल इनोवेशन और व्यवसायिक उत्कृष्टता के एक उदीयमान केंद्र के रूप में संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया।
